शोभित विश्वविद्यालय में "नयी रौशनी" का आयोजन

शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ में दिनांक २३ जून से २८ जून २०१४ तक, भारत सरकार के अल्पसंख्यककार्यों के मंत्रालय द्वारा प्रायोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम " नयी रौशनी" का आयोजन कियाजायेगा|नयी रौशनी" अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास की योजना है, जिसका मूल उद्द्येशमहिलाओं को सशक्त व् आर्थिक रूप से विकसित कर सुद्रढ़ नागरिकतथा समाज को मजबूत करना है|इस योजना के लक्षित समूह में मुस्लिम, जैन, सिक्ख, ईसाई से संभंधित प्रतिभागी होंगी| शोभितविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. अग्रवाल के नेतृत्व में संगठित टीम ने मेरठ केअल्पसंख्यक बहुल आबादी वाले ग्राम दौराला, सपोती, मोदीपुरम, कंकरखेड़ा, पावली खास, भाटीपुर,किला परीक्षितगढ़ ,पल्लवपुरम, धंजू, सोफीपुर
में जाकर महिलाओं को इस योजना के महत्त्व सेअवगत कराया| इस प्रयास के फलस्वरूप, इन क्षेत्रों से १३५ महिलाओं ने योजना में शामिल होने हेतुआवेदन कराया| इन सभी महिलाओं को ६ दिन तक नेतृत्व क्षमता विकास हेतु विशेषज्ञों,परामर्शदाताओं, स्वास्थय अधिकारीयों,अल्पसंख्यक अधिकारीयों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा|इसके साथ ही बैंकों व् अन्य संस्थानों के साथ कार्य व्यवहार की जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी|कार्यक्रम की संचालिका डॉ ज्योति शर्मा ने बताया की उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि सिटीअडिशनल डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट माननीय एस. के. डे. होंगे|

शोभित विश्वविधालय में नई रोशनी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रारम्भ

आज शोभित विश्वविधालय में अल्प संख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित योजना “नयी रौशनी” के उद्घाटन समारोह का आयोजन संपन्न हुआ| नयी रौशनी अल्प संख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने हेतु भारत सरकार का एक सफल प्रयास है| शोभित विश्वविधालय में इस योजना के आयोजन हेतु ६ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चलाया गया है जिसमे १८ से ३५ वर्षीय अल्प संख्यक महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी योजना की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी| अल्पसंख्यक महिलाओं के पांच समूहों को नई रोशनी कार्यक्रम के अन्तर्गत छः दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कराया।

उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ कुलपति प्रोफेसर आर.पी.अग्रवाल, मुख्य अतिथि अपर जिला अधिकारी श्री एस के दुबे, अल्प संख्यक आयोग अधिकारी श्री एस ऍन पाण्डेय, योजना निर्देशक श्री के. एल. खन्ना, श्री देवेंदर नारायण, कुलसचिव डॉ. जयानंद द्वारा द्वीप प्रज्वलन सरस्वती वंदना से हुआ| कार्यक्रम की संचालिका डा. ज्योति शर्मा ने अतिथिगण व १३० प्रतिभागियों को इस योजना की जानकारी दी| सभी १३० महिलाओं को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने विब्भिन्न शिक्षण मॉडूयलों की जानकारी देते हुए बताया इस शिविर द्वारा प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता विकसित कर आर्थिक रूप से सशक्त्त किया जाएगा| कुलपति प्रोफेसर आर. पी. अग्रवाल ने इस योजना को समाजसेवा से जोड़कर भारत सरकार का एक उच्चतम प्रयास माना| उन्होंने श्री एस के दुबे के सहयोग की सराहना की| अल्प संख्यक आयोग अधिकारी श्री एस ऍन पाण्डेय के मार्ग दर्शन में आयोजित इस योजना का मुख्य उद्द्येश्य बैंक, रेलवे की कार्य प्रणाली का व्यवहारिक ज्ञान दिया जायेगा| मुख्य अतिथि श्री एस के दुबे किसी भी देश व् समाज के विकास के लिए महिलाओं की सामान भागेदारी की आवश्यकता पर बल दिया| श्री दुबे ने सभी महिलाओं को इस कार्यक्रम से भरपूर लाभ उठाने को प्रेरित करते हुए कहा कि सच्चर कमेटी की सिफारिशों के तहत मुस्लिम महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वावलम्बन आदि के लिये जागरूक होकर आगे आना होगा। श्री एस ऍन पाण्डेय ने सरकार की विकास के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का विवरण दिया| उन्होंने प्रतिभागियों को एक मार्गदर्शक के रूप में सामने आकर आस पास के अल्प संख्यक लोगों को शसक्त करने की प्रेरणा दी| अंत में कुलसचिव डॉ जयानंद ने धन्यवाद प्रस्तावित किया| इस उद्घाटन

समारोह में डॉ ज्योति शर्मा, डॉ ममता बंसल, डॉ निधि त्यागी, डॉ रेखा दीक्षित , योगेश अवस्थी, विजय माहेश्वरी, राशि अग्रवाल, नेहा त्यागी, राखी, लोकेन्द्र यादव , अनुराधा आदि लोगों का सहयोग सराहनीय रहा|

शोभित विश्वविद्यालय द्वारा अल्पसंख्यक महिलाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम

शोभित विश्वविद्यालय में चल रहे "नयी रौशनी" कार्यक्रम के प्रशिक्षण शिविर में आज नवजात शिशु व् बल रोग विशेषज्ञ डॉ अमित जैन ने नवजात बच्चों की देख रेख संभंधित जानकारी दी| इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के आहार के विषय में समझाया की ६ महीने के बाद बच्चों को दूध के साथ धुली मूंग दाल, कस्टर्ड, सेब, घिया कस करके खिचड़ी, सूजी की खीर भी देने चाहिए| घर में बच्चों की सुरक्षा के लिए उत्तम सुझाव प्रस्तुत किये|

शोभित विश्वविद्यालय से डॉ ममता बंसल ने जीवन कौशल से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि जब तनाव एक सीमा पार कर जाता है, तब हमारा मानसिक सन्तुलन बिगड़ सकता है और इसका असर शरीर पर भी पड़ता है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, कई प्रकार के मनोरोग जैसे-चिन्ता, डिप्रेशन, हिस्टीरिया, पैनिक, डिसऑर्डर आदि के पीछे मुख्य कारण मानसिक तनाव है। निरन्तर तनावग्रस्त बने रहना जीवन में हानिकारक है। चूँकि जीवन-उद्देश्य आपके सामने है, तनावग्रस्त से दूर रहना ही आपके लिए श्रेष्ठतर होगा। अतः आप तनाव के बहुत से कारकों से बचें, जो आप आसानी से कर सकते हैं और साथ में ये भी। उनोहने कहा कि काम को टालने की प्रवृत्ति से बचें, अगले सप्ताह में पड़ने वाले कार्यो की अग्रिम सूची बना लें, सूची के अनुसार कार्य करें। अपने पास उतना ही कार्य लें, जितना कि आप आसानी से कर सकें। समय अमूल्य धरोहर है, इसलिए इसका उपयोग ध्यानपूर्वक करें। गतिशील रहने पर आप अपनी समस्याएं भूल जाते हैं, एक जगह जॉगिंग करने से भी आपके मन को शांति मिलेगी। कार्बोहाइडेट के सेवन से चित्त शांत होता है, कैफीन वाले पदार्थो के सेवन में कमी करें। चाय-कॉफी के स्थान पर नीबू पानी या फलों के रस का सेवन करें। चिड़िया की चहक सुनें, सूरज को डूबते देखें, प्रकृति, वन, नदी को देखकर मन खुश हो जाता है। उनोहने कहा कि चिंता करना छोड़कर हमेशा खुश रहें, जीवन इतना गंभीर नहीं है, जितना आपने बना डाला है। उस स्थिति में हास्य का पुट दें, ऐसा करने से स्वयं को हलका महसूस करेंगे। उन्होंने स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षणों और सरकार की विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी दी|

मिस अनुराधा ने कहा कि मानव जीवन में जल संरक्षण एवं प्रबंधन का विशेष महत्व है। यदि समय रहते हम जल संरक्षण एवं प्रबंधन पर ध्यान नहीं देंगे तो आने वाले समय में जल संसाधन हमारे लिए अनेकों समस्याएं उत्पन्न करेगा, क्योंकि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का 70 प्रतिशत भाग कृषि कार्यों में, 8 प्रतिशत घरेलू कार्यों में एवं 22 प्रतिशत औद्योगिक कार्यों में खर्च होता है। पर्यावरण विज्ञान के ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान के अन्य विषयों का ज्ञान आवश्यक है। तभी हम पर्यावरण विज्ञान का सही ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। | उन्होंने बताया की निर्जलीकरण से बचने के लिए प्रतिदिन 5-7 लीटर जल की आवश्यकता होती है| साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ रखने के प्रयास करने का अनुरोध किया| उन्होंने यह भी बताया की पोलीथीन के प्रयोग से पर्यावरण दूषित होता है| अतः पॉलीथिन का प्रयोग रोककर, कागज अथवा कपड़े के बैग इस्तेमाल करना चाहये| इसके साथ सभी प्रतिभागियों का बैंक में खाता खोलने का फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया गया|

नाबार्ड, महिलाओं के एस एच जी उद्यम के लिए बैंकों को प्रोत्साहित करती है: वी के श्रीवास्तव

शोभित विश्वविद्यालय में आयोजित अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता विकास की योजना "नयी रौशनी" के प्रशिक्षण शिविर में आज नाबार्ड,मेरठ के डी डी एम श्री वी के श्रीवास्तव ने एस एच जी बैंक लिंकेज प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी दी| एस एच जी स्व सहायता समूह के लिए उधार देने के लिए भारत के बैंकों को प्रोस्ताहित करती है| स्व सहायता समूह गरीब महिलओं के लिए मुख्य रूप से बना है| यह माइक्रोफाइनान्स के लिए महत्वपूर्ण भारतीय उपकरण के रूप में विकसित हुआ है| श्री वी के श्रीवास्तव ने अल्पसंख्यक महिलाओं को १०-२० का समूह बनाकर नियमित रूप से बचत कर उसे एकत्र करने को प्रेरित किया | इस तरह से एस एच जी के सदस्य की सहमति से आवश्यकता पड़ने पर यह रकम जरूरतमंद सदस्य को दे सकते है| वह एकत्रित रकम को ब्याज पर लोन के रूप में भी दे सकते है| ब्याज का प्रतिशत सभी सदस्य मिलकर ही निश्चित करते है| इस कार्यक्रम से उन्हें नियमित रूप से बचत करने की प्रेरणा मिलेगी| उन्होंने बताया की अल्पसंख्यक महिला ऍन जी ओ में जाकर उनके द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों से लाभ उठा सकती है|

डॉ रचना सिंघल ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा प्रकर्ति के तत्वों के माध्यम से रोगों के उपचार की एक प्रकिर्या है| हमारे शरीर का गठन प्रकर्ति के पांच तत्वों जल, वायु, अग्नि, आकाश व् पृथ्वी से बना है| इन तत्वों के असंतुलन से ही रोग होते है| अपने जीवन शैली में परिवर्तन कर हम अनेक रोगों से बच सकते हैं|जीवन शैली में परिवर्तन के लिए संतुलित आहार कि जानकारी दी| साथ में प्रतिभागियों के मध्य संतुलित आहार तालिका वितरित की| संतुलित आहार से होने वाले लाभों से प्रतिभागियों को अवगत कराया| अंशु चौधरी, नेहा त्यागी, ज्योति शर्मा, राखी, लोकेन्द्र ने रेलवे रिजर्वेशन के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया|

परिवार का आकार छोटा एवं शिक्षित रखकर सरकार के योजना का लाभ उठाएं: डॉ विनीता त्यागी

शोभित विश्वविद्यालय में भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "नयी रौशनी" के प्रशिक्षण शिविर में अल्पसंख्यक महिलाओं को स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ विनीता त्यागी ने परिवार नियोजन संभंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी| देश की बढ़ती आबादी को रोकने हेतु उन्होंने महिलाओं से आवाहन किया की परिवार के आकर को छोटा रखने के लिए सरकार द्वारा चलाये गए कार्यक्रमों का लाभ उठाएं| परिवार नियोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह अवांछित जन्म रोकने हेतु व् मनचाहे समय पर सन्तानोत्त्पति कि दृस्टि से महत्वपूर्ण है| इस प्रशिक्षण में महिलाओं ने अपनी समस्याओं को उजागर कर उनके निवारण हेतु ज्ञान अर्पित किया | डॉ विनीता त्यागी ने माँ का स्वास्थय ठीक रखने के लिए बच्चों के जन्म में अंतर रखने की सलाह दी| जन्मदर नियंत्रण हेतु रासायनिक व् हार्मोनल विधियों की जानकारी दी| उन्होंने कहा कि गर्भ निरोधक गोलियों व् यंत्र यूटेराइन डिवाइस, डेपो प्रोवीरा इंजेक्शन अनचाही संतान को रोकने हेतु ९९% कारगर उपाय है|

शोभित विश्वविद्यालय के लॉ विभाग के प्रवकता ज़ीनत परवीन ने अल्पसंख्यक महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जाग्रत किया| उन्होंने कहा कि अधिकारों के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है| दैनिक जीवन में महिलाएं घरेलु हिंसा, शारीरिक हिंसा से ग्रसित हो, अगर कोई पुरुष उनको मानसिक पीड़ा पहुंचाता है अपमानित करता है वह भी घरेलु हिंसा की श्रेणी मैं आता है| घरेलु हिंसा की शिकायत महिलाएं मजिस्ट्रेट से कर सकती है| अनैतिक व्यापार के तहत महिलाओं को बंधक बनाना अपराध है|

"नयी रौशनी" के प्रशिक्षण शिविर में नेहा त्यागी, अनुराधा कुमारी, ज़ीनत, अंशु चौधरी ने बैंक में खाता खोलने, फिक्स डिपाजिट करने के फॉर्म भरने, तथा बैंक लोन लेने के तरीके, फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी प्रतिभागियों को दी|

शोभित विश्वविद्यालय में अल्पसंख्यक महिलाओं के "नयी रौशनी" का समापन

शोभित विश्वविद्यालय में अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास क्षमता विकसित करने हेतु "नयी रौशनी" योजना के अंतर्गत चल रही प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हो गया|“नयी रौशनी" के समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रो आर पी अग्रवाल, विशिस्ट अतिथि एस पी, मेरठ श्री पी के तिवारी व् कुलसचिव डॉ जयानंद ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया| शोभित विश्वविद्यालय में यह प्रशिक्षण अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार के मानकों के आधार पर प्रदान किया गया| कुलपति प्रो आर पी अग्रवाल ने आशा व्यक्त की की नयी रौशनी के अंतर्गत ६ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं को नेतृत्व, स्वास्थ्य, स्वच्छता, प्रभावी संचार, बैंकों की कार्यप्रणाली, सरकार की कल्याणर्थ योजनाएं आदि विषयों पर अर्जित ज्ञान से स्वयं को सशक्त करेंगी|श्री पी के तिवारी ने शोभित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा की, उन्होंने प्रशिक्षु महिलओं से अनुरोध किया की शिविर से प्राप्त जानकारी से वह समाज की अन्य महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए कारगर कदम उठाये| प्रतिभागी महिलाओं ने अपने अनुभव के बारे में बताते हुए कहा की प्रशिक्षण से पहले उन्हें मौलिक अधिकारों व् कल्याणकरी योजनाओं की जानकारी नही थी किन्तु अब इस जानकारी से वह आस पास की महिलाओं व् स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगी|

आज प्रतिभागी महिलाओं को यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया श्री कपिल प्रधान जी ने बैंक की कार्यप्रणाली से अवगत कराया| इसमें उन्होंने बचत कहते का महत्त्व व् अर्थ विस्तार से समझाया| इसी के साथ सविधि जमा व् रिकरिंग डिपाजिट के लाभों को गिनाया| उन्होंने महिलओं को यह खाते खोलने को सलाह दी| अल्पसंख्यक वर्ग के लिए बैंक की विभहीन ऋण योजनाओं की जानकारी दी| ऐ टी एम कार्ड के प्रयोग की विधि समझायी व् उसके लाभों के विषय में बताया|शोभित विश्वविद्यालय की व्याख्यता डॉ आसमा खान ने अल्पसंख्यक महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू कर स्वाबलंबी बनने की प्रेरणा दी| उन्होंने कहा की अल्पसंख्यक महिलोएं में प्रतिभा व् कोसहल है पर उचित मार्गदर्शन के आभाव में वे इसका लाभ नही ले पाती| उन्होंने प्रतिभागियों को छोटे स्तर पर व्यवसाय आरम्भ कर उसे बढ़ाने के विषय में समझाया| फिर लज़्ज़त पापड़, टप्परवाएर जैसे सफल उद्योगों का उदहारण देकर प्रोत्साहित किया|

अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास क्षमता विकसित करने के लिए दिंनाक २३ जून से चल रहे ६ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का शुभारम्भ विशिस्ट अतिथि एस पी श्री पी के तिवारी,विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आर पी अग्रवाल व् कुलसचिव डॉ जयानंद द्वारा डीप प्रज्जवलन से हुआ|

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ ज्योति शर्मा ने प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की| प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाली १३८ महिलाओं को प्रमाण पत्र व् मानदेय राशि वितरित की गयी| प्रो जयानंद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डॉ ज्योति शर्मा, डॉ ममता बंसल, राशि अग्रवाल, आदित्य पुण्ढ़ीर, डॉ रेखा दीक्षित, लोकेन्द्र, नेहा त्यागी , अंशु चौधरी, डॉ आसमा खान, नेहा वसिष्ठ, राखी के विशेष योगदान की सराहना की|